यूटीयू एवं भारतीय स्टार्टअप संगठन के बीच हुए एमओयू

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो

uttarbharatlive.com

देहरून। वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने भारतीय स्टार्टअप संगठन आईएसओ के बीच शुक्रवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। समझौता ज्ञापन में विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. ओंकार सिंह एवं भारतीय स्टार्टअप संगठन की ओर से चेनरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर सैमसन प्रकाश मसीह द्वारा हस्ताक्षर किये गये। समझौते का उद्देश्य प्री-इनक्यूबेशन, इनक्यूबेशन, एक्सेलेरेशन प्रोग्राम को सुविधाजनक बनाते हुए विभिन्न पद्धतियों का उपयोग कर नवाचार को बढ़ावा देने और पुरस्कृत करने के लिए एक ईको सिस्टम बनाये जाने में प्रयोग किया जाना है। दोनों प्रतिष्ठानों के बीच हुए इस एमओयू का उद्देश्य उत्तराखण्ड तकनीकी

» विविय और सम्बद्ध संस्थानों के बीच स्टार्टअप ईकोसिस्टम बनाने में सहायक

विवि और विवि से संबंद्ध संस्थानों में क्रॉस लर्निंग, ज्ञान को साझा करने, नवाचार पर सर्वश्रेष्ठ विधाओं के लिए एक मंच के रूप में कार्य करना होगा। जो विवि और सम्बद्ध संस्थानों के बीच स्टार्टअप ईकोसिस्टम बनाने में सहायक होगा। इससे अनुसंधान, और मानव संसाधन को विकसित करने में सहायता मिलेगी। वर्ष 2020 में स्थापित भारतीय स्टार्टअप संगठन, जो कि एक प्रशिक्षण, अनुसंधान, मूल्यांकन और एक अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग केन्द्र के रूप में कार्य कर रहा है। जिसका उदेदश्य योजना और गुणात्मक सुधार के माध्यम से भारत में स्टार्टअप ईकोस्टिम को बनाने और उसे मजबूत करने का प्रयास करना है।

एमओयू के अनुसार प्रमुख कार्य प्रस्तावित

1 व्यापक क्षेत्रों में रचनात्मक नवाचार उद्यमिता को बढ़ावा देने में सहयोग।
2 नवचार और स्टार्टअप एक्सचेंज, सह उष्मायन और सह त्वरण कायक्रमों के माध्यम से स्टार्टअप के लिए अन्तर्राष्ट्रीय बाजार और व्यावसायिक संबंधी।
3 संकायों, संस्थानों और कार्यकारी दौरों के बीच आदान-प्रदान।
4 नवाचार और स्टार्टअप के लिए अन्तर्राष्ट्रीय ईकोसिस्टम का विकास।
5 आगे के सहयोग के लिए संसाधनों की पहचान।

इस मौके पर विवि की ओर से कुलसचिव, आरपी गुप्ता, वित्त नियंत्रक बिक्रम सिंह जंतवाल, वित्त अधिकारी सुरेश चन्द्र आर्य, डा संजय कुमार, तथा भारतीय स्टार्टअप संगठन ओर से संगीता पुन मानव संसाधन प्रमुख, मेघा पोखरिया एवं तनुजा चन्द भी उपस्थिति रहे।